डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज

– वाराणसी –

स्नातक पाठ्यक्रम

बी.ए. भाग - 1 (द्वितीय सत्र)

-: हिन्दी विभाग :-
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

द्वितीय सत्र

तृतीय प्रश्न पत्र

कथा साहित्य BEHD – 103 C

कोड : BAH-121

क्रेडिट : 03

कहानी और उपन्यास आधुनिक साहित्य की सर्वाधिक प्रभावशाली और लोकप्रिय विधायें हैं। इस पाठ्यक्रम में हम विधा के रूप में उपन्यास और कहानी का सामान्य परिचय और हिन्दी विधाओं के विकास की संक्षिप्त रूपरेखा की जानकारी प्राप्त करेंगे। दो महत्वपूर्ण उपन्यासों 'चित्रलेखा' और 'बहती गंगा' तथा चार कहानियों से विद्यार्थी इन विधाओं का परिचय प्राप्त करेंगे।

पाठ्यांश :

कहानी : सद्गति, शरणदाता, मलबे का मालिक, वापसी

उपन्यास : चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा

बहती गंगा – रूद्र काशिकेय

इकाई 1 : कथा साहित्य

(I) विधा के रूप में उपन्यास : सामान्य परिचय

(II) हिन्दी उपन्यास : संक्षिप्त रूपरेखा

(III) हिन्दी कहानी : सामान्य परिचय

(IV) हिन्दी कहानी : संक्षिप्त रूपरेखा

इकाई 2 : चित्रलेखा

(I) कथावस्तु

(II) चरित्र चित्रण

(III) प्रतिपाद्य

(IV) भाषा एवं शिल्प

इकाई 3 : बहती गंगा

(I) कथावस्तु

(II) काशी का चित्रण

(III) प्रतिपाद्य

(IV) भाषा एवं शिल्प

इकाई 4 : कहानियाँ

(I) सद्गति : कथावस्तु

(II) भारत में दलित समाज एवं 'सद्गति'

(I) शरणदाता : संवेदना एवं कथावस्तु

(II) शरणदाता : भाषा एवं शिल्प

इकाई 5 : कहानियाँ

(I) मलबे का मालिक : संवेदना एवं कथावस्तु

(II) मलबे का मालिक : भाषा एवं शिल्प

(III) वापसी : संवेदना एवं कथावस्तु

(IV) वापसी : भाषा एवं शिल्प

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. कहानी नयी कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. कहानी आंदोलन की भूमिका – बलिराज पांडेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद
4. आज की हिंदी कहानी – विजय मोहन सिंह, दिल्ली
5. उपन्यास : स्थिति और गति– चंद्रकांत बॅड़दिवेकर
6. उपन्यास का इतिहास –गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

चतुर्थ प्रश्न पत्र

निबंध एवं नाटक BCHD – 104 C

कोड : BAH-122
क्रेडिट : 03

इस पाठ्यक्रम में हम कथेतर गद्य विधाओं में निबंध और नाटक का सामान्य परिचय प्राप्त करने के साथ ही छः निबंधों और 'चंद्रगुप्त' नाटक के माध्यम से इन विधाओं के विवेचन की प्रणाली की समझ विकसित करने का प्रयास करेंगे।

पाठ्यांश :

निबंध : 1. हंस का नीर–क्षीर विवेक (महावीर प्र॰द्विवेदी), 2. आचरण की सभ्यता (सरदार पूर्ण सिंह), 3. उत्साह (रामचन्द्र शुक्ल), 4. शिरीष के फूल (हजारी प्र॰द्विवेदी), 5. महाकवि की तर्जनी (कुबेरनाथ राय), 6. ऑगन का पंछी (विद्यानिवास मिश्र)।

नाटक : चंद्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद

इकाई 1 : गद्य विधाएँ

(I) हिन्दी में गद्य विधाओं का विकास

(II) विधा के रूप में नाटक : सामान्य परिचय

(III) हिन्दी नाटक : संक्षिप्त रूपरेखा

(IV) हिन्दी निबंध : संक्षिप्त रूपरेखा

इकाई 2 : चंद्रगुप्त (I) इतिहास एवं कल्पना

(II) चाणक्य का चरित्र

(III) राष्ट्रीय आंदोलन की चेतना

(IV) रंगमंचीयता

इकाई 3 : (I) हंस का नीर – क्षीर विवेक : केन्द्रीय विचार

(II) हंस का नीर – क्षीर विवेक : भाषा एवं शिल्प

(III) आचरण की सभ्यता : केन्द्रीय विचार

(IV) आचरण की सभ्यता : भाषा एवं शिल्प

इकाई 4 : (I) उत्साह : केन्द्रीय विचार

(II) उत्साह : भाषा एवं शिल्प

(III) शिरीष के फूल : केन्द्रीय विचार

(IV) शिरीष के फूल : भाषा एवं शिल्प

इकाई 5 : (I) महाकवि की तर्जनी : केन्द्रीय विचार

(II) महाकवि की तर्जनी : भाषा एवं शिल्प

(III) आँगन का पंछी : केन्द्रीय विचार

(IV) आँगन का पंछी : भाषा एवं शिल्प

अनुशंसित ग्रंथ :

1 रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2 दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3 रामचन्द्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य – चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

5. समकालीन हिन्दी निबंध : कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ

6. हिन्दी निबंध और निबंधकार– रामचन्द्र तिवारी

7. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली

8. पहला रंग – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

9. रंग परम्परा – नेमिचन्द्र जैन

10. समकालीन हिन्दी नाटक की संघर्ष चेतना – गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

द्वितीय सत्र

द्वितीय प्रश्न पत्र

HD - 102 L

क्रेडिट : 03

कोड : BAHL-112

1. उपन्यास : झाँसी की रानी (वृन्दावन लाल वर्मा)
2. संक्षेपण, पल्लवन, निबन्ध–लेखन, रचनात्मक लेखन।

इकाई 1 : **झाँसी की रानी** (I) कथावस्तु

(II) लक्ष्मीबाई का चरित्र

(III) स्त्री–यथार्थ और झाँसी की रानी

इकाई 2 : **संक्षेपण / पल्लव** (I) संक्षेपण : आशय

(II) संक्षेपण : उदाहरण

(III) पल्लव : आशय

(III) पल्लव : उदाहरण

इकाई 3 : (I) निबंध से आशय

(II) निबंध की शैलियाँ

(III) निबंध कैसे लिखें

(IV) उदाहरण

इकाई 4 : (I) रचना लेखन से आशय

(II) रचना लेखन कैसे करें

(III) उदाहरण